सुरक्षित सड़क तंत्र और इको फ्रेंडली होगी नई रोड पॉलिसी

जयपुर। सचिवालय में गुरुवार को राजस्थान रोड सेक्टर मॉडर्नाइजेशन प्रोजेक्ट के तहत रोड सेक्टर पॉलिसी एवं कार्ययोजना की बैठक हुई। इस बैठक की अध्यक्षता डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने की। बैठक में इस बात पर चर्चा हुई कि नई रोड पॉलिसी किन बिंदुओं पर फोकस होकर बननी चाहिए। इसमें सड़क तैयार करने के लिए नई - नई तकनीक, मौजूदा सड़क तंत्र संरक्षित रखने, छोटे से छोटा गांव सड़क नेटवर्क से जुड़ सके, सड़के यातायात संचालन के लिए सुरक्षित रहे, सड़कों पर यातायात संचालन की लागत कम से कम हो, सड़क तंत्र इको फ्रेन्डली हो तथा सड़क तंत्र के निर्माण एवं संचालन की लागत पूर्व की तुलना में कम रहे। इन बिंदुओं पर चर्चा हुई । पायलट ने कहा कि सड़क निर्माण कार्यों के साथ-साथ सड़कों के किनारे पेड़ लगाए जाने की कार्य योजना बनाकर इसे लागू किया जाए। दुर्घटना सम्भावित स्थानों की पहचान और उन्हें दुरुस्त किए जाने संबंधी रोड सेफ्टी ऑडिट पर जोर दिया जाए। सड़क दुर्घटनाएं रोकने के लिए विभिन्न सड़कों पर चिन्हित ब्लैक स्पॉट दूर करने के काम में भी तेजी लाई जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेहतर सड़क तंत्र तैयार करने के लिए नई टेक्नोलॉजी काम में ली जाए। उन्होंने सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिकारियों को देश के अन्य राज्यों में काम में ली जा रही तकनीकों का अध्ययन कराने के निर्देश दिए हैं ताकि ऐसी तकनीकों और प्रौद्योगिकी का अध्ययन कर उन्हें प्रदेश में लागू किया जाए। पीडब्ल्यूडी के इंजीनियर दूसरे राज्यों में फील्ड विजिट करें और इनोवेटिव तकनीकों को विभाग द्वारा किए जाने वाले विकास कार्यों में लागू करें।

कंसल्टेंट के माध्यम से तैयार की जाने वाली डीपीआर की समीक्षा के बाद ही अंतिम रूप दिया जाए ताकि विकास कार्यों की गुणवत्ता बनी रहे। उन्होंने प्रदेश में बेहतर सड़क तंत्र विकसित करने की कार्य योजना की अवधि भी 10 वर्ष से घटाकर तीन से चार वर्ष किए जाने के निर्देश दिए।